JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

महिलाओं के सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की भूमिका :

रविन्द्र सुमन

शोध छात्र

समाजशास्त्र विभाग, ल0ना0मि0वि0 दरभंगा।

सारांश :

किसी भी राष्ट्र की प्रगति अनिवार्य रुप से इस बात में निहित होती है कि समाज में उसकी महिलाओं की स्थिति कैसी है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद पंडित जवाहर लाल नेहरु का यह कथन "आप महिलाओं की स्थिति देखकर किसी राष्ट्र की स्थिति को बता सकते है।" महिलाओं का एक बड़ा वर्ग होने के कारणयह आवश्यक है कि एक विकासशील समाज को विकसित बनाने के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण एक पूर्वापेक्षा है। भारतीय ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छ ईधन प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना एक ऐतिहासिक कदम है। इस योजना ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण भारत के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को मुक्त रसोई गैस का कनेक्शन प्रदान किया गया है। इस योजना का उद्येश्य ग्रामीण गरीब परिवारों को स्वच्छ ईधन प्रदान करना, वायु प्रदुषण में कमी एवं विभिन्न प्रकार कि श्वास संबंधी बिमारियाँ को रोकना। यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण एवं एक स्वस्थ समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महत्वपूर्ण शब्द : PMUY, BPL, महिला सशक्तिकरण, स्वस्थ्य, पर्यावरण, ईधन।

परिचय :

हमारे देश की आधी आबादी महिलाओं की है। महिलायें समाज की रीढ़ होती है, जो समाज को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त रुप से काम करती है। महिलाओं का एक बड़ा वर्ग होने के कारण यह आवश्यक है कि महिलाओं को अत्यधिक रुप से सशक्त किया जाए। इसके लिए महिलाओं को राष्ट्र के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सभी क्षेत्रों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। परन्तु भारत एक अत्यधिक जटिल स्थितियों वाला राष्ट्र है, जिसके लिए समाज कल्याण के लिए बहु–आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

महिलाओं के सशक्तिकरण की महत्वता को समझते हुए सरकार ने महिलाओं से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं को प्रारंभ किया है, जिनमें प्रधानमंत्री उज्जवला योजना एक प्रमुख व

महत्वपूर्ण योजना मानी जाती है, क्योकि यह योजना मूल रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित है, और अक्सर यह कहा जाता है कि "स्वास्थ्य ही धन है।"

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना :

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना सरकार की सबसे सफलतम योजनाओं में से एक है। इस योजना की शुरूवात 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से कि थी। इस योजना को विश्व की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में "गिनीज बुक ऑफ रिकॉड" में शामिल किया गया है।

इस योजना को लागू करने का उद्येश्य :

1. महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना।

2. जीवाश्म ईधन से खाना पकाने से होने वाले गंभीर बीमारियों से मुक्त करना।

3. अशुद्ध ईधन के कारण भारत में होने वाली मोतों की संख्या को कम करना।

4. पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना।

5. जीवाश्म ईधन का प्रयोग घर के अंदर होने से वायु प्रदुषण के कारण तीव्र श्वसन की वजह से युवा बच्चों की बिमारियों को रोकथाम करना।

हमारे देश में LPG की शुरूआत 1955 में हुई थी और 2015 तक अर्थात 60 वर्षो के दौरान सिर्फ 13 करोड़ लोगों को ही LPG कनेक्शन मुहैया कराया जा सका। दुसरी ओर LPG का दायरा शहरी व कस्बाई इलाकों तथा गाँवों के समृद्ध वर्गो तक सिमटा रहा। इससे स्पष्ट होता है कि हमारे राष्ट्र की अधिकांश महिलायें मिट्टी के चुल्हे पर लकड़ियों को जलाकर खाना पकाया करती थी। लकड़ियों के जलने से एक तरफ पर्यावरण प्रदुषित होती है, तो दुसरी तरफ चुल्हा से निकलने वाले धुँआ के कारण महिलायें अनेक तरह के बिमारियों से ग्रसित होती थी। आँख संबंधित समस्या, हृदय संबंधित समस्या, फेफड़े संबंधित समस्या इत्यादि। घरेलू वायु प्रदुषण के कारण बच्चों में तीव्र श्वास संबंधित बिमारियाँ बड़ी संख्या में जिम्मेदार होती थी। हमारे देश के अधिकांश महिलाओं का जीवन धुँए के साये में गुजरता रहा। विशेषज्ञों के अनुसार रसोई में खुली आग जलाना प्रति घंटे 4 सौ सिगरेट के धुँए के समान है। अर्थात बिना किसी प्रकार का नशा किए हुए हमारे देश की अनेक महिलाएँ प्रतिदिन 4 सौ सिगरेट के धुँए को ग्रहण कर रही है।

देश में परम्परागत चुल्हों के धुँए से होने वाले प्रदुषण से हर साल पाँच लाख महिलाओं की मौत हो जाती थी। 2014 में "वर्ल्ड वाच इंस्टीट्यूट" ने अपनी रिर्पोट में बताया था कि दुनिया में सबसे अधिक जैव ईधन पर निर्भर आबादी विकासशील एशिया में है। अकेले भारत में 70 करोड़ लोग परम्परागत ईधन से खाना बनाते है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में ऐसे प्रदूषण से हर साल 20 लाख लोगों की अकाल मौंत होती है जिसमें 44 फिसद बच्चे है। वहीं बड़े लोगें में 60 फीसद महिलाएं इस तरह के प्रदूषण के कारण मौत के मुँह में चली जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस गंभीर समस्या के निदान के लिए उज्जवला योजना की शुरूआत की है। उज्जवला योजना का प्रभाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ रहा है। अब महिलाएं भोजन बनाने के लिए गैस का प्रयोग कर रही है। गैस पर भोजन बनाने के परिणामस्वरूप महिलाएं आँख संबंधित समस्या, हृदय संबंधित समस्या, फेफड़े संबंधित समस्या जैसे रोगों से मुक्त हो रही है। जिसका प्रभाव परिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर सकारात्मक रूप से पड़ रहा है। उज्जवला योजना के प्रारंभ होने से पर्यावारण संरक्षण में भी वृद्धि हो रहा है, जिसके कारण वायुमण्डल में कार्बनडाईऑक्साइड तथा ग्लोबल वॉर्मिंग जैसे समस्याओं में भी कमी हो रही है।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का लाभ पाने के लिए आव"यक प्रक्रिया एवं दस्तावेज :

प्रारंभ में इस योजना का लाभ 2011 के जनगणना के आधार पर सिर्फ BPL वाले परिवार को मिल रहा था परन्तु जैसे ही इस योजना का अत्यधिक सकारात्मक प्रभाव हमारे समाज और राष्ट्र पर पड़ा। फलस्वरूप 1 अप्रैल 2018 से केन्द्र सरकार ने अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए इस योजना के तहत सभी एससी, एसटी परिवारों, प्रधानमंत्री आवास योजना और अंत्योदय अन्न योजना के लाभार्थियों, अति–पिछड़े परिवारों को गैस कनेक"ान देने का फैसला लिया। इस योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक"ान देने का लक्ष्य भी 5 करोड़ से बढ़ाकर 8 करोड़ कर दिया गया है। इस योजना के लिए आवेदन फॉर्म प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। इस योजना के लिए गरीबी रेखा के नीचे जीवन–यापन कर रहे परिवारों का रा"ान कार्ड, सामाजिक आर्थिक जातीय जनगणना 2011 की सूची फोटो कॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, बैंक खाता, राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित स्वघोषणा पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज लगते हैं। साथ ही यह जरूरी होता है कि उस परिवार में पहले से कोई गैस कनेक"ान किसी अन्य सदस्य के नाम ना हो।

अध्ययन का उद्येश्य :

महिलाओं के स्वास्थ्य एवं उनके स"ाक्तिकरण में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की भूमिका।

शोध प्रविधि : इस शोध में द्वितियक स्त्रोतों का प्रयोग किया गया है।

साहित्य का पुनरावलोकन :

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के विषय में तथा महिलाओं के स्वास्थ्य एवं उनके स"ाक्तिकरण पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने के लिए शोधकर्ता ने तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध से संबंधित पूर्व अध्ययनों को व्यवस्थित किया। इस संदर्भ में कुछ प्रमुख व महत्वपूर्ण शोध हुए हैं जो निम्नलिखित है।

डॉ0 संतोश कुमार त्रिपाठी (2019) : "Pradhan Mntri Ujjawal Yojna: Women Empowerment in India" का शोध समीक्षा से स्पष्ट होता है कि उज्जवला योजना का प्रभाव महिलओं पर सकारात्मक रूप से पड़ रहा है। उज्जवला योजना के प"ाचात महिलायें जानलेवा बिमारियों–हृदय संबंधित, आँख संबंधित जैसे गंभीर बिमारियों में मुक्त हो रही है।

'आज तक' (2019) समाचार चैनल ने अपनी रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि जब भी नरेन्द्र मोदी सरकार की सफल योजनाओं की बात होती है तो प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का जरूर जिक्र होता है। इस योजना के जरिए सरकार हर गरीब महिला के घर में स्वच्छ ईंधन मुहैया करती है। सरकार की इस योजना को पूर्वोतर में बड़ी सफलता मिली है। दरअसल, इस योजना की वजह से पूर्वोतर में 3 हजार करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार भी मिले हैं। महलिा स"ाक्तिकरण में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना निर्णायक सिद्ध हो रही है।

एस0 के0 बरूआ (2018) : अध्ययन रिपोर्ट का शीर्षक **"लाइटिंग अप लाइव्ज थ्रू कुकिंग गैस एण्ड ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटी"** है और इसमें दे"ा के सबसे बड़े सामाजिक परिवर्तन कार्यक्रमों में शामिल प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का सफर पे"ा किया गया है। इस अध्ययन में बताया गया है कि किस तरह रसोई गैस ने गरीबों के जीवन को बदला है और सामाजिक– आर्थिक समावे"ा के जरिये उन्हें शक्ति संपन्न बनाया है। सरकार ने BPL लाभार्थियों को पहचान किया और लोगों को खाना पकाने के लिए प्रयुक्त होने वाली पारंपरिक ईंधन के स्थान पर LPG के उपयोग करने के लिए विचार को स्वीकार करने में मदद की है।

राजनाथ राम (2018) : ने कुरूक्षेत्र पत्रिका में प्रकाि"ात आलख **"प्रधानमंत्री उज्जवला योजना : बदलती महिलाओं की जिंदगी"** में पाया है कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से महिलओं को न केवल रोज–रोज की परे"ाानियों से छुटकारा मिला है बल्कि यह उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। इस योजना के उपरांत महिलाओं को कई तरह की बीमारियों से भी छुटकारा मिली। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना मोदी सरकार की सबसे महत्वकांक्षी और कारगार योजना है। इस योजना से दे"ा के करोड़ों गरीब महिलाओं का जीवन बदला है और उन्हें धुँए वाले चुल्हें से मुक्ति मिली है।

विवेक आनंद (2018) : ने अपने लेख "Two Years of Ujjawala Yojna: Dalits in Western up and benefits despite resentment against centre on other issues" में योजना का अध्ययन करते हुए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के प्रभाव को सकारात्मक रूप से देखा है।

पीयुश द्विवेदी (2018) उज्जवला योजना : **"महिलाओं के स्वास्थ्य और समृद्धि की दिशा में रचनात्मक पहल"** के अध्ययन समीक्षा से स्पष्ट होता है कि इस योजनाओं के जरिये न केवल गरीब महिलओं के जीवन–स्तर में बदलाव आया है, बल्कि अनेक जानलेवा बिमारियों से मुक्ति मिल रही है।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना कि व्यवहारिक चुनौतियाँ :

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थी के चयन के लिए केवल BPL सूची एवं SECC सूची 2011 का प्रयोग किया गया है। जबकि बहुत सारे परिवार ऐसे भी हैं जो गरीब तो है परन्तु इन दोनों सूचियों में नाम ना होने के कारण उन्हें गैस कनेक"ान नही मिल पाता है। और जिन लाभार्थियों को गैस कनेक"ान मिल भी जाता है तो वह समय–समय पर गैस नही भरवा पाता है क्योंकि लाभार्थी को गैस का खर्च का प्रबंध करना पड़ता है। और दूसरी तरफ सब्सिडी से प्राप्त

होने वाली रूपया जल्दी से लाभार्थी को नही मिल पाते हैं। सरकार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि जितने गैस कनेक"ान जारी हुए है, उनमें से कितने लाभार्थी दुबारा गैस भरवा रहे हैं।

निश्कर्श :

उज्जवला योजना नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक बहुत ही महत्वकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना ने महिलओं को स्वच्छ ईंधन प्रदान कर उन्हें धुँए भरी जिंदगी से स्वतंत्रता दिलाई है। यह योजना गरीब महिलाओं के लिए वरदान साबित हुई है। महिलाएं अनेक जानलेवा बिमारियों से बच रही है, दूसरी तरफ LPG पर खाना बनाने में उसे समय की भी बचत होती है और इस समय को वे अपने जीवन के किसी अन्य महत्वपूर्ण कार्य में लगा सकती है। जिससे उनका सामाजिक आर्थिक विकास हो सकता है। यह योजना महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स"ाक्तिकरण पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डाला है। यह योजना ना सिर्फ महिलाओं को स्वच्छ ईंधन प्रदान किया है बल्कि पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाने में हमारी मदद कर रहा है। स्वस्थ समाज एवं स्वच्छ पर्यावरण बनाने में इस योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना सरकार की सफलतम योजनाओं में से एक है परन्तु अभी भी जमीनी स्तर पर देखा जाये तो इस योजना में कुछ समस्याएँ दृष्टिगोचर होती है, जिस पर सरकार को ध्यान केंद्रित करने की आव"यकता है।

संदर्भ ग्रंथ :

1. Tripathi, santosh kumar. (2019,March): "Pradhan Mantri Ujjawal Yojna: Women Empowerment In India. IOSR Journal of Business and management. Valume No 21
2. Barua, Samir Kumar (2018, May)- Lighting up lives through coocking Gas and transforming society. Indian Institute of management, Ahemdabad, India.
3. Anand, V. (2018,May)- Two years of Ujjawala yojna Dalits in Western up land banefis restment against centre on other issues. First post
4. Bhaskar, U. (2018,March 25) Ujjawala Scheme : Indian ooil, others defer loan recovery up to 6 LPG relift. From mint
5. Ahmad, N. Sharma S. and Singh, A. (2018). Pradhan Mantri Ujjawala Yojana step towrds social Inclusion in India. International Journal of trend in research and development, 5(i) 2394-9333 Retrived from www.ijtrd.com
6. राम, राजनाथ (2018) प्रधानमंत्री उज्जवला योजनाः बदलती महिलाओं की जिंदगी कुरूक्षेत्र पत्रिका इण्डिया टुडे, प्रका"ान विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।
7. Census (2011). Household level Indicators. New Delhi, Census of India.